भारत - बहरीन संबंध

भारत और बहरीन के बीच उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं जो मैत्रीपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संपर्कों पर आधारित हैं। हमारा द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध लगभग 5,000 साल पुराना है तथा इसकी शुरुआत बहरीन में डिलमुन सभ्यता तथा भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय की हो चुकी थी। ऐसा माना जाता है कि बहरीन के प्राचीन व्यापारी भारत से भारतीय मसालों के बदले में बहरीन के मोतियों का व्यापार करते थे। तकरीबन 350,000 भारतीय नागरिकों, जिनका बहरीन की 1.2 मिलियन की कुल आबादी में एक तिहाई हिस्सा है, की मौजूदगी बहरीन के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण आधार है।

बहरीन की हाल की यात्राएं

बहरीन के विदेश मंत्री की यात्रा : किंगडम ऑफ बहरीन के विदेश मंत्री शेख खालिद बिन अहमद बिन मोहम्मद अल खलीफा ने 30 मार्च, 2011 को भारत का दौरा किया। बहरीन के विदेश मंत्री ने 30 मार्च, 2011 को विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा से मुलाकात की तथा बहरीन में एवं इस क्षेत्र की घटनाओं सहित आपसी हित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

मई 2012 में बहरीन के क्राउन प्रिंस की यात्रा : हमारे उपराष्ट्रपति के निमंत्रण पर 30-31 मई, 2012 को बहरीन के क्राउन प्रिंस सलमान बिन हमाद अल खलीफा के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों, मंत्रियों एवं व्यापारियों का एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भारत के दौरे पर आया। नई दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जी से मुलाकात की तथा हमारे उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री के साथ बैठक की। मुम्बई में उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल तथा भारतीय उद्योग जगत की मशहूर हस्तियों से मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान करों के संबंध में सूचना के आदान प्रदान के लिए एक करार तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

मार्च, 2013 में बहरीन के क्राउन प्रिंस की यात्रा : बहरीन के क्राउन प्रिंस सलमान बिन हमाद अल खलीफा ने 17-18 मार्च, 2013 को केरल का दौरा किया। मुख्य मंत्री ओमन चांडी ने एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी की। आधिकारिक बैठकों के दौरान विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद ने भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इन यात्राओं के दौरान दोनों पक्ष उच्च स्तर पर नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। भारतीय नेतृत्व ने क्राउन प्रिंस की तथा किंगडम ऑफ बहरीन की बहरीन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा एवं कल्याण का सुनिश्चय करने के लिए प्रशंसा की।

महामहिम शाह हमाद बिन इसा अल खलीफा की यात्रा : भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के निमंत्रण पर किंगडम ऑफ बहरीन के शाह हमाद बिन इसा अल खलीफा ने 18 से 20 फरवरी 2014 के दौरान पहली बार भारत का राजकीय दौरा किया। महामहिम शाह के साथ एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल आया था जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तथा व्यवसाय जगत के रहनुमा शामिल थे। 19

फरवरी, 2014 को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने महामहिम शाह के सम्मान में दावत दी तथा इससे पूर्व आधिकारिक विचार विमर्श हुआ। अन्य द्विपक्षीय भागीदारियों के तहत माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी के साथ बैठक तथा माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के साथ शिष्टमंडल स्तरीय द्विपक्षीय चर्चा शामिल थी। महामहिम शाह माननीय विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद तथा लोकसभा में प्रतिपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज से भी मिले। तीन एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें भारत के विदेश मंत्री तथा किंगडम ऑफ बहरीन के विदेश मंत्री की सह अध्यक्षता में एक संयुक्त उच्चायोग की स्थापना पर एम ओ यू; विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, भारत तथा राजनयिक संस्थान, विदेश मंत्रालय, किंगडम ऑफ बहरीन के बीच सहयोग पर एम ओ यू तथा युवा एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू शामिल हैं।

बहरीन के विदेश मंत्री की यात्रा : किंगडम ऑफ बहरीन के विदेश मंत्री शेख खालिद बिन अहमद बिन मोहम्मद अल-खलीफा ने 22 फरवरी, 2015 को भारत का दौरा किया था। बहरीन के विदेश मंत्री ने विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिनमें शिक्षा, व्यापार, निवेश एवं वाणिज्य के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने के तरीके एवं उपाय; सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग; मीडिया एवं संचार के क्षेत्रों में आदान - प्रदान तथा बहरीन में प्रवासीय भारतीय समुदाय से संबंधित मुद्दे शामिल थे।

भारत की ओर से हाल की यात्राएं

भारत की माननीय विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज की यात्रा : माननीय विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 6-7 सितंबर, 2014 को किंगडम ऑफ बहरीन की यात्रा की। बहरीन में अपने प्रवास के दौरान विदेश मंत्री महोदया ने प्रवासी भारतीय सुगमता केन्द्र (ओ आई एफ सी) द्वारा आयोजित एक भारतीय समुदाय भागीदारी बैठक का उद्घाटन किया तथा बहरीन के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। महामहिम शाह तथा महामहिम प्रधानमंत्री द्वारा विदेश मंत्री की अगवानी की गई। इसके अलावा विदेश मंत्री महोदया ने बहरीन के विदेश मंत्री के साथ विस्तार से बातचीत की। इस अवसर पर बहरीन के विदेश मंत्री ने माननीया विदेश मंत्री के सम्मान में दावत दी जिसमें बहरीन के मंत्रिमंडल के अनेक मंत्री, भारतीय व्यापारी तथा भारतीय समुदाय से विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। बहरीन के आर्थिक विकास बोर्ड (ई डी बी) ने भी माननीया विदेश मंत्री के सम्मान में लंच का आयोजन किया जिसमें यह घोषणा की गई कि सी आई आई बहरीन में अपना एक क्षेत्रीय कार्यालय खोलेगा। माननीय विदेश मंत्री ने भारतीय प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित ओणम महोत्सव में भी भाग लिया।

द्विपक्षीय करार / समझौता ज्ञापन

दोनों देशों के बीच निम्नलिखित द्विपक्षीय करार / एम ओ यू हैं :

- वायु सेवा करार (अप्रैल 2000)

- विदेश मंत्रालयों के बीच सहयोग पर एम ओ यू (जनवरी 2004)
- असैन्य एवं वाणिज्यिक मामलों में क्षेत्राधिकारीय एवं न्यायिक सहयोग पर करार (जनवरी 2004)
- प्रत्यर्पण संधि (जनवरी 2004)
- आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता पर करार (जनवरी 2004)
- द्विपक्षीय निवेश के संवर्धन एवं संरक्षण पर करार (जनवरी 2004)
- प्रसार भारती तथा बहरीन रेडियो एण्ड टी वी कारपोरेशन के बीच मीडिया सहयोग के लिए करार (मार्च 2007)
- श्रम एवं जनशक्ति विकास पर एम ओ यू (जून 2009)
- करों के संबंध में सूचना के आदान प्रदान के लिए करार (मई 2012)
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू (मई 2012)
- संयुक्त उच्च आयोग की स्थापना पर एम ओ यू (फरवरी 2014)
- विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय, भारत तथा राजनयिक संस्थान, बहरीन के बीच सहयोग पर एम ओ यू (फरवरी 2014)
- युवा एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (फरवरी 2014)
- जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन पर एम ओ यू (फरवरी 2015)

द्विपक्षीय संस्थानिक तंत्र

विदेश कार्यालय परामर्श : भारत और बहरीन के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन 20 अक्टूबर, 2014 को नई दिल्ली में हुआ। परामर्श के दौरान विस्तार से चर्चा हुई जिसमें परस्पर सरोकार के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय मुद्दों को शामिल किया गया।

उच्च संयुक्त आयोग : 18 से 20 फरवरी 2014 के दौरान बहरीन नरेश की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एक एम ओ यू के माध्यम से पिछली भारत - बहरीन आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग संयुक्त समिति को प्रतिस्थापित करने के लिए यह तंत्र स्थापित किया गया और विदेश मंत्री के स्तर पर इसके स्तर का उन्नयन किया गया। भारत और बहरीन के बीच उच्च संयुक्त आयोग की पहली बैठक 22 फरवरी 2015 को बहरीन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान हुई।

व्यापार एवं आर्थिक संबंध :

भारत और बहरीन के बीच कई शदियों से व्यापार एवं आर्थिक संबंध हैं; इन संबंधों को 1970 के दशक के पूर्वार्द्ध में तेल की कीमतों में उछाल से नई गति प्राप्त हुई। बहरीन में अधिक समृद्धि एवं उच्च जीवन स्तर के कारण माल एवं सेवाओं के वैश्विक आयात में तेजी आई जिसमें भारत से आयात भी शामिल है। बहरीन सरकार की औद्योगिक विविधता की नीति में भी भारत एवं बहरीन के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजगार के नए अवसरों से भारी संख्या में भारतीय प्रवासी बहरीन की ओर आकर्षित हुए। अपनी

लोकेशन की वजह से बहरीन जी सी सी मार्केट के लिए गेटवे के रूप में काम करता है।

भारत - बहरीन द्विपक्षीय व्यापार : मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर में)

व्यापार वर्ष	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
भारतीय निर्यात	252.47	286.52	250.21	651.83	439.99	603.47	639.36
भारतीय आयात	835.42	1442.82	502.86	641.25	876.30	664.66	563.24
कुल व्यापार	1087.89	1729.34	753.07	1293.08	1316.28	1268.13	1202.60

(स्रोत : विदेश व्यापार निष्पादन विश्लेषण, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से विदेश व्यापार सांख्यिकी)

भारत मुख्य रूप से क्रूड आयल, अयस्क, स्लैग / ऐश पेट्रोलियम उत्पाद, एल्युमिनियम एवं उर्वरक का आयात करता है तथा अकार्बनिक रसायन, बहुमूल्य धातुओं के कार्बनिक एवं अकार्बनिक कंपाउंड, पोत एवं नौका, बॉयलर एवं मशीनरी, लोहा एवं इस्पात तथा प्रसंस्कृत भोजन आदि का निर्यात करता है।

भारत - बहरीन संयुक्त व्यापार परिषद

संयुक्त व्यापार परिषद का गठन 12 अक्टूबर, 1994 को हुआ। इसकी पहली बैठक 1996 में बहरीन में हुई। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर परिसंघ (फिक्की) तथा एसोचैम के निमंत्रण पर बहरीन के वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर द्वारा प्रायोजित एक 21 सदस्यीय उच्च स्तरीय व्यापार शिष्टमंडल ने संयुक्त व्यापार आयोग की दूसरी बैठक में भाग लेने के लिए 17 से 24 फरवरी, 2001 के दौरान भारत का दौरा किया। जे बी सी की अगली अर्थात तीसरी बैठक सितंबर 2015 में होने की उम्मीद है।

फरवरी 2014 के दौरान बहरीन के शाह की भारत यात्रा के दौरान अतिरिक्त समय में छ: एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें बहरीन में एस एम ई के लिए वित्तीय एवं गैर वित्तीय सेवाओं में वृद्धि के लिए बहरीन विकास बैंक (बी डी बी) तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के बीच हस्ताक्षरित एम ओ यू भी शामिल है। अन्य एम ओ यू इस प्रकार थे - बहरीन आर्थिक विकास बोर्ड (ई डी बी) तथा नैस्कॉम के बीच एम ओ यू; बहरीन आर्थिक विकास बोर्ड (ई डी बी) और सी आई आई के बीच एम ओ यू; तमकीन तथा भारत के राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन एस डी सी) के बीच एम ओ यू; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा बहरीन विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू; और राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण अर्हता एवं गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण (बहरीन) तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एन ए ए सी) के बीच एम ओ यू। मुम्बई में बहरीन - भारत व्यापार मंच के आखिरी दिन 12 एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रवासी भारतीय सुगमता केन्द्र (ओ आई एफ सी)

ओ आई एफ सी ने माननीय विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री की बहरीन यात्रा के दौरान 6 सितंबर 2014 को बहरीन में अपनी पहली डायसपोरा भागीदारी बैठक आयोजित की, जिसका उद्देश्य बहरीन में रहने वाले भारतीयों के साथ ही किंगडम आफ बहरीन के कारोबारियों को भारत में व्यापार एवं निवेश के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इसमें 500 के आसपास प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत और बहरीन के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सी आई आई बहरीन के आर्थिक विकास बोर्ड के सहयोग से मनामा में एक कार्यालय खोल रहा है। ओ आई एफ सी बहरीन में सी आई आई कार्यालय का अभिन्न अंग होगा। बहरीन में भारतीय समुदाय भी कारोबार से जुड़े अपने पूछताछ को ओ आई एफ सी के पास भेजने के लिए सी आई आई कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

बहरीन भारत सोसाइटी

बहरीन के पूर्व श्रम मंत्री अब्दुल नवी अल शोआला के नेतृत्व में भारत से मित्रता रखने वाले कारोबारियों के एक समूह ने बहरीन भारत सोसाइटी की स्थापना की, जिसका औपचारिक रूप से उद्घाटन 21 दिसंबर, 2008 को बहरीन के विदेश मंत्री द्वारा किया गया। इस सोसाइटी के उद्देश्यों में आर्थिक, सांस्कृतिक, खेल एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में दोनों देशों के लोगों के बीच मैत्री एवं आपसी समझ के घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है।

भारतीय प्रवासी समुदाय

हालांकि बहरीन भौगोलिक (मात्र 712 वर्ग किलोमीटर) और जनसंख्या (1.2 मिलियन) दोनों दृष्टि से छोटा सा देश है, प्रवासी के रूप में काम करने के लिए यह भारत के नागरिकों का मनपसंद डेस्टीनेशन बन गया है। वर्ष 2000 में बहरीन में मात्रा 90,000 भारतीय नागरिक काम कर रहे थे परंतु अब यह संख्या बढ़कर 3,50000 के आसपास पहुंच गई है। इनमें से 220,000 भारतीय नागरिक केरल राज्य से हैं। आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु में से प्रत्येक का हिस्सा मोटे तौर पर 40,000 है। 50,000 से अधिक भारतीय नागरिक महाराष्ट्र, कर्नाटक और पंजाब से हैं। व्यवसाय की दृष्टि से हमारे ज्यादातर नागरिक अर्थात 70 प्रतिशत अकुशल मजदूर की श्रेणी में हैं। वे बैंकिंग, दवा, प्रबंधन एवं लेखा क्षेत्र में भली भांति काम कर रहे हैं।

बहरीन के प्राधिकारियों एवं कर्मचारियों दोनों की ओर से समान रूप से भारतीय प्रवासी समुदाय का काफी सम्मान किया जाता है। यह कोई रहस्य नहीं है कि इस उप महाद्वीप से अन्य प्रवासियों की तुलना में भारतीयों को पसंद किया जाता है। इसके प्रमुख कारणों में विश्वास, काम करने की मजबूत धारणा तथा भारतीय प्रवासियों का राजनीति से सरोकार न रखना शामिल हैं।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, बहरीन की वेबसाइट :
http://www.indianembassybahrain.com/

***

अगस्त, 2014